

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य सामान्य	अधिगम उद्देश्य विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: समाज सुधारकों का ज्ञान पूर्वज्ञान संबन्धित प्रश्न- परिशिष्ट संख्या-6अ/1 विषय वस्तु- * अंतिम दौर - एक उपविषय वस्तु :- अ) कुरीतियों का खंडन आ) 1857 की क्रांति इ) वाक निपुणता पाठ्येतर विषय वस्तु * भाषण दक्षता * समाचार प्रस्तुति	विद्यार्थी :- अ) भारत में उस समय फैली कुरीतियों को समझने में सक्षम होंगे । आ) 1857 की क्रांति को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम कहने के मूल कारण को समझ सकेंगे । इ) तथ्यों को समाचार के रूप में प्रस्तुत करने में तथा अपने अनुभव व्यक्त करने में निपुण होंगे ।	विद्यार्थी :- अ) राजा राम मोहन राय तथा अन्य समाज सुधारकों के देश के उत्थान के लिए किए गए कार्यों से प्रभावित हो उनकी सूची बना सकेंगे अ)2 हिंदुओं और मुसलमानों में सुधारवादी और दूसरे आंदोलनों को प्रारंभ करने के कारणों को लिख सकेंगे । आ) 1857 की क्रांति की विफलता के कारणों को बताते हुए उस समय के किन्हीं दो क्रांतिकारियों के कार्यों, क्रांतियों को दर्शाते हुए पोस्टर बना सकेंगे । इ)1. समाचार के उचित तरीके से अवगत हो कर दी गई परिस्थितियों में से किसी एक परिस्थिति यथा-राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक, राजा-महाराजाओं का दौर, आज़ादी आंदोलन,अंग्रेजी शासन की गतिविधियाँ आदि के आधार पर आत्मविश्वास के साथ दूसरों के समक्ष समाचार प्रस्तुत कर सकेंगे । इ)2.गतिविधि से जुड़े अपने अनुभव लिख सकेंगे ।

गृहकार्य:- पाठ से संबंधित प्रश्न ।

क्रियाविधि:- तथ्यों पर आधारित समाचार प्रस्तुति से संबंधित ।

कक्षा - आठ

अध्यापिका की गतिविधि	विद्यार्थियों की गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:- परिशिष्ट संख्या :-6अ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या :-6अ/2 अध्यापिका के निर्देशन में उचित बलाघात के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए पाठ का वाचन करेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में पाठ के भाव को आत्मसात कर पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे । क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्ट संख्या :-6 अ /3 अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्ट संख्या :-6 अ /4	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगे:- परिशिष्ट संख्या :-6आ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगे । परिशिष्ट संख्या :-6आ/2 उचित बलाघात के साथ पाठ के शुद्ध उच्चारण में समर्थ होंगे । पाठ के अंत में दिए प्रश्नों के उत्तर देंगे । अपनी गतिविधियों में भाग लेंगे। परिशिष्ट संख्या :-6 आ/3 अभ्यास हेतु दिए गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे। परिशिष्ट संख्या :-6 आ/4	* पाठ पढ़ाने के बाद लिखा जाएगा ।

सहायक सामग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र १ कार्यपत्र ,२ क्रियाकलाप का विवरण

विधि:- १. पठन-पाठनविधि,२. उदाहरण विधि,३. काठिन्य निवारण विधि, ४. व्याख्या विधि ५.व्यास विधि

अन्तःविषय संबंध :- सामाजिक ज्ञान, भाषा ज्ञान, आत्मिक ज्ञान, इतिहास ,पत्रकारिता ।

विद्यालय परिसर :- विद्यालय की प्रार्थना सभा में प्रस्तुत किए जाने वाले समाचार तैयार कर प्रस्तुत कर सकेंगे ।

पूर्व ज्ञान से संबंधित प्रश्न -परिशिष्ट संख्या -6अ/1

संभावित उत्तर

प्रश्न.1- देश में कुरीतियों को दूर करने में किसकी भूमिका महत्वपूर्ण होती है?

समाज-सुधारकों की ।

प्रश्न.2- कुछ समाज सुधारकों के नाम बताए ।

राजा राम मोहन राय, दयानन्द सरस्वती

प्रश्न.3 नाना साहब ,झांसी की रानी भी समाजसुधारक थे

नहीं 1857 के संग्राम के सेनानी

कथन:- आइये 'अंतिम दौर - एक' पाठ को पढ़ कर जानते हैं कि 1857 की क्रांति और देश में समाज-सुधार आंदोलनों ने भारत की प्रगति की राह को क्या नया मोड़ दिया ।

काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या -6अ/2

*कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।

*प्रत्येक समूह एक ए-4 शीट पर निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा ।

*समूह आपस में अदला-बदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।

*अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका पर अर्थ लिखने का निर्देश देंगी।

(यथासंभव इस गतिविधि में परिवर्तन लाये जाएंगे यथा कभी विद्यार्थी चिट पर भी कठिन शब्दार्थ लिख सकते हैं या कभी अध्यापिका स्वयं चिट पर कठिन शब्द लिख कर अर्थ लिखने को कह सकती है ।)

क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि:- परिशिष्ट संख्या -6अ/3

- कक्षा विद्यार्थियों को पाठ से संबंधित किसी एक परिस्थितियों पर समाचार तैयार करने के लिए कहा जाएगा । यथा:-

राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक, राजा-महाराजाओं का दौर, आज़ादी आंदोलन,अंग्रेजी शासन की गतिविधियाँ

- सभी विद्यार्थी अपने चयनित विषय से जुड़े अपने विचार अपनी समझ, जागरूकता आदि के आधार पर समाचार लिखेंगे
- विद्यार्थियों को समाचार-वाचन के लिए दो-तीन मिनट का समय दिया जाएगा ।
- अध्यापिका बारी-बारी से आकर विद्यार्थियों को समाचार प्रस्तुत करने को कहेंगी ।
- अपनी बारी आने पर अपना समाचार-वाचन प्रस्तुत करेंगे ।
- मानदंडों के आधार पर विद्यार्थी अपने विचारों के लिखित रूप को भी प्रस्तुत करेंगे ।
- अध्यापिका अंत में निर्धारित प्रारूप के आधार पर मौखिक वाचन का मूल्यांकन करेंगी ।

मूल्यांकन के मानदण्ड :-

क्रमसंख्या	मूल्यांकनकेक्षेत्र	अंक-10
1	विषयकीप्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषाकास्तरएवंशुद्धता	2
4	कार्यकीपूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

अभ्यास हेतु कार्यपत्र दिया जाएगा :- परिशिष्ट संख्या -6अ/4

पाठ : अंतिमदौर - एक
विद्यार्थी का नाम :

गतिविधि : समाचार प्रस्तुति
अनुक्रमांक :

समाचार प्रस्तुत करने से पूर्व तैयारी के कोई तीन बिन्दु



गतिविधि करते हुए अनुभव :

